भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं 330
बुधवार, 6 दिसंबर, 2023 (15 अग्रहायण, 1945 (शक)) को उत्तरार्थ

प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्रों (पीएमकेएसके) को पीएसीएस के रूप में बदला जाना

330 # **श्री बाबू राम निषादः**

क्या **सहकारिता मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को चरणबद्ध तरीके से प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्रों (पीएमकेएसके) में बदलने की कोई योजना है;

(ख) यदि हाँ, तो कितनी प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) को अभी प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्रों (पीएमकेएसके) में बदलने की योजना है;

(ग) ऐसा करने से पीएसीएस को क्या लाभ होगा; और

(घ) इससे पीएसीएस की आय कैसे बढ़ेगी?

उत्तर

सहकारिता मंत्री

(श्री अमित शाह)

(क) से (घ): सरकार द्वारा प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) को प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) का संचालन करने की अनुमति दी गई है ताकि देश के किसानों को उर्वरक, कीटनाशक और संबंधित सेवाओं की सरल पहुंच सुनिश्चित हो सके। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) के रूप में कार्य करते हुए पैक्स, किसानों के लिए गुणवत्ता पूर्ण कृषि-इनपुट्स, जैसे कि उर्वरक, बीज, कृषि उपकरण , कीटनाशक, मृदा/बीज परीक्षण, आदि, को एक ही छत के नीचे, प्रतिस्पर्धी मूल्यों पर प्रदान करने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) के माध्यम से, फसल संबंधित मुद्दों और सरकारी योजनाओं की जानकारी किसानों के लिए उपलब्ध कराई जाती है। इसके अलावा, ब्लॉक/जिला स्तर के केंद्रों में खुदरा विक्रेताओं का नियमित क्षमता निर्माण भी सुनिश्चित किया जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, 18 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 28,648 पैक्स प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्रों (पीएमकेएसके) के रूप में कार्यरत हैं। सरकार का लक्ष्य है कि सभी पैक्स में चरणबद्ध तरीके से पीएमकेएसके का संचालन शुरू किया जाये ।

प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केंद्र (पीएमकेएसके) के रूप में कार्य करते हुए पैक्स ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए कृषि से संबंधित इनपुट्स और सेवाओं के लिए "वन स्टॉप शॉप" की भूमिका निभाएंगे। यह पहल पैक्स को विभिन्न लाभ प्रदान करेगी, जैसे कि उन्हें आय का स्थिर व अतिरिक्त स्रोत तथा पंचायत / ग्राम स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा करना। इसके अलावा, पीएमकेएसके के रूप में कार्य कर रहे पैक्स पंचायत/ग्राम स्तर पर ही किसानों को विभिन्न गुणवत्ता पूर्ण कृषि-इनपुट्स प्रदान करने में सक्षम होंगे, जिससे कृषि उत्पादकता में सुधार लाने में मदद मिलेगी।

इस पहल से पैक्स अपने व्यवसाय में विविधता लाकर विस्तृत रेंज की गुणवत्ता वाले कृषि इनपुट्स और सेवाओं को शामिल करने में सक्षम होंगे, जिसमें पारंपरिक अल्पकालिक क्रेडिट सेवाओं के साथ-साथ वे उर्वरक, बीज, कृषि उपकरण, कीटनाशक, मृदा/बीज परीक्षण, आदि, उपलब्ध करा सकेंगे, जिससे इनकी बिक्री और आय दोनों में वृद्धि होगी ।

*****